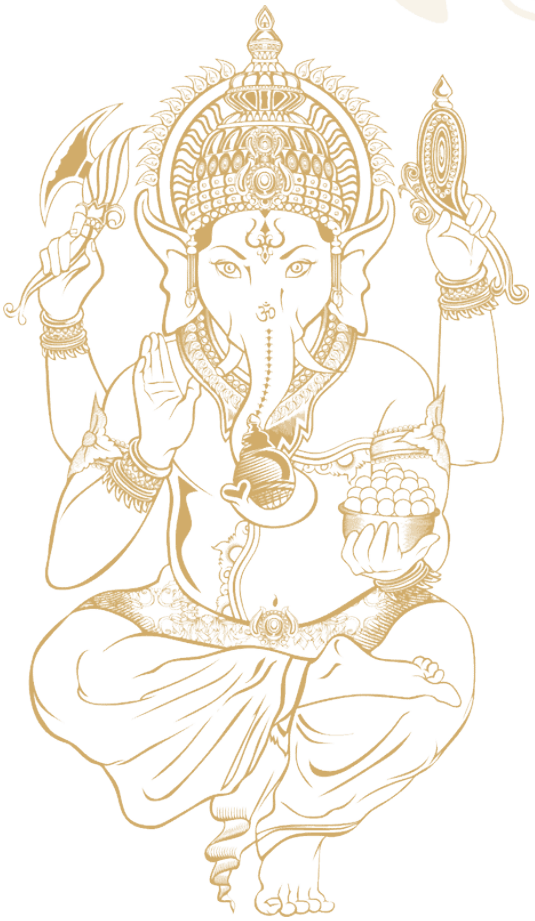

Ravi rai

04 Jan 1992

07:15 AM

Bansdih

Model: web-freekundliweb

Order No: 121954011

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/01/1992**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	01:25:17 घटी
स्थान	**Bansdih**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:54:00 उत्तर
रेखांश	84:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:21:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:35 घंटे
साम्पातिक काल	14:13:36 घंटे
सूर्योदय	06:40:53 घंटे
सूर्यास्त	17:14:46 घंटे
दिनमान	10:33:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:11:37 धनु
लग्न के अंश	26:44:28 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	26:44:28	369:05:39	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			धनु	19:11:37	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	09:31:24	11:53:35	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	02:18:12	00:44:16	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	28:07:58	01:17:27	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु	व		सिंह	20:51:02	00:00:49	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	10:23:45	01:12:33	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
शनि			मक	12:27:02	00:06:47	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु			धनु	16:07:00	00:00:04	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	नीच राशि
केतु			मिथु	16:07:00	00:00:04	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	20:06:50	00:03:35	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:34:56	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	28:25:50	00:01:43	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	11:57:45	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:01

लग्न-चलित

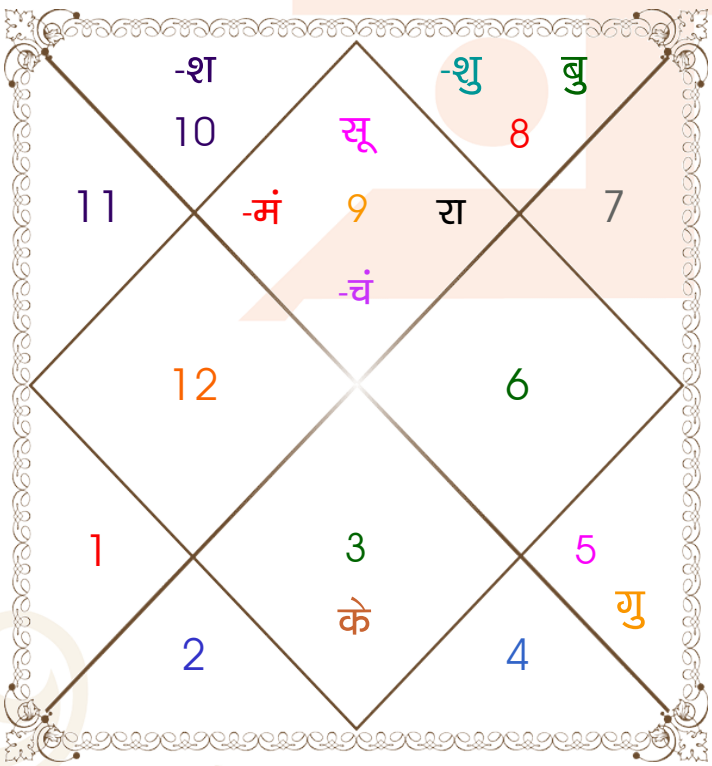

चन्द्र कुंडली

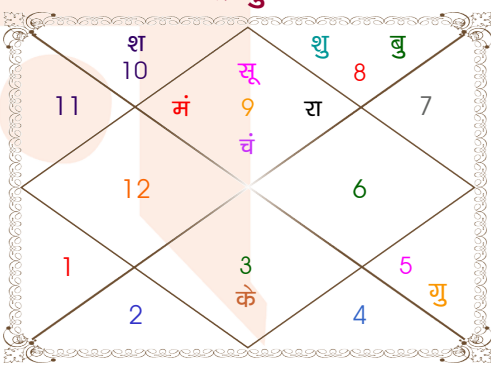

नवमांश कुंडली

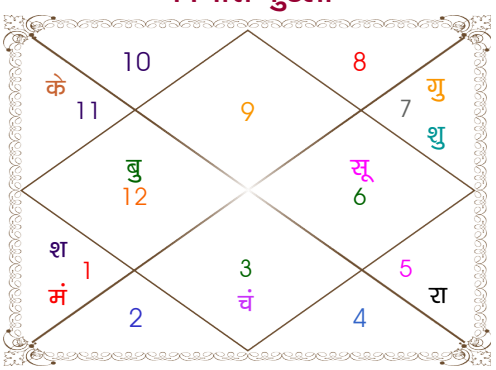

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 0 मास 0 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/01/1992		03/01/1994		03/01/2014		04/01/2020		03/01/2030	
03/01/1994		03/01/2014		04/01/2020		03/01/2030		03/01/2037	
	00/00/0000	शुक्र	05/05/1997	सूर्य	23/04/2014	चंद्र	03/11/2020	मंगल	02/06/2030
	00/00/0000	सूर्य	05/05/1998	चंद्र	23/10/2014	मंगल	04/06/2021	राहु	20/06/2031
	00/00/0000	चंद्र	04/01/2000	मंगल	27/02/2015	राहु	04/12/2022	गुरु	26/05/2032
	00/00/0000	मंगल	05/03/2001	राहु	22/01/2016	गुरु	04/04/2024	शनि	05/07/2033
	00/00/0000	राहु	05/03/2004	गुरु	09/11/2016	शनि	04/11/2025	बुध	02/07/2034
	00/00/0000	गुरु	04/11/2006	शनि	22/10/2017	बुध	05/04/2027	केतु	28/11/2034
	04/01/1992	शनि	03/01/2010	बुध	29/08/2018	केतु	04/11/2027	शुक्र	28/01/2036
शनि	06/01/1993	बुध	03/11/2012	केतु	04/01/2019	शुक्र	05/07/2029	सूर्य	04/06/2036
बुध	03/01/1994	केतु	03/01/2014	शुक्र	04/01/2020	सूर्य	03/01/2030	चंद्र	03/01/2037

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/01/2037		04/01/2055		04/01/2071		03/01/2090		05/01/2107	
04/01/2055		04/01/2071		03/01/2090		05/01/2107		00/00/0000	
राहु	16/09/2039	गुरु	21/02/2057	शनि	06/01/2074	बुध	01/06/2092	केतु	03/06/2107
गुरु	09/02/2042	शनि	04/09/2059	बुध	16/09/2076	केतु	29/05/2093	शुक्र	02/08/2108
शनि	16/12/2044	बुध	10/12/2061	केतु	25/10/2077	शुक्र	29/03/2096	सूर्य	08/12/2108
बुध	05/07/2047	केतु	16/11/2062	शुक्र	25/12/2080	सूर्य	03/02/2097	चंद्र	09/07/2109
केतु	23/07/2048	शुक्र	17/07/2065	सूर्य	07/12/2081	चंद्र	05/07/2098	मंगल	05/12/2109
शुक्र	24/07/2051	सूर्य	05/05/2066	चंद्र	08/07/2083	मंगल	02/07/2099	राहु	23/12/2110
सूर्य	16/06/2052	चंद्र	04/09/2067	मंगल	16/08/2084	राहु	20/01/2102	गुरु	29/11/2111
चंद्र	16/12/2053	मंगल	10/08/2068	राहु	23/06/2087	गुरु	27/04/2104	शनि	05/01/2112
मंगल	04/01/2055	राहु	04/01/2071	गुरु	03/01/2090	शनि	05/01/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 0 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।